एन. पी. सी. सी. इनसाइट

NPCC Insight

Issue : 03 Vol : 01

जुलाई–अगस्त 2006

NPCC changes its Logo

Logo is the identity of an Organization which signifies its Mission and objectives. Entering into 50th year of its existence is a great reason for celebration for NPCC. On this occasion the Corporation has adopted new logo which depicts the experience attained by the Company during the last five decades and the Mission/Objectives to achieve. The new logo is in the shape of a pyramid with a ray over it which shows the stability, growth and success of the Corporation. It also symbolizes hope and way to success of the Corporation. The pyramid is an oldest project which continues to exist as on today depicting stability, growth and continuance. The bold fonts used for NPCC show its strong existence in the Corporate world. The adoption of new logo as Corporate identity would, in the long run, provide to the Corporation a new confidence to face the world in the era of globalization.

"चिन्तन दल (थिंक टैंक)" के महत्वपूर्ण सुझाव

विगत लम्बे समय से निरन्तर घाटे में चल रही निगम को पटरी पर लाने और इसे लाभकारी बनाने हेतु किए जा रहे उपायों पर विचार करते समय इस बात की भी पड़ताल करनी अनिवार्य हो जाती है कि इस घाटे की प्रमुख वजह क्या रही है । निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री अरबिन्द कुमार की पहल पर उक्त कारणों को रेखांकित करने के लिए चार–चार अधिकारियों को शामिल करते हुए चार अलग–अलग दल गठित किए गए हैं, जिन्हें "थिंक टैंक"की संज्ञा दी गई है । इन दलों द्वारा अन्य बातों के साथ–साथ

निगम की बंद पड़ी यूनिटों को समाप्त करने से सम्बन्धित समस्याओं की पहचान करके इनका सरलतम एवं स्वीकार्य समाधान प्रस्तुत किया जाना है । 10 जून, 2006 को इस 'चिन्तन दल' की बैठक हुई जिसमें सी.एम.डी. सहित निगम के सलाहकार तथा केन्द्रीय कार्यालय के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इस बैठक में विभिन्न अधिकारियों ने स्लाइडों आदि की सहायता से अपने–अपने सुझाव विस्तार से प्रस्तुत किए । श्री सुरेश चन्द्र गर्ग, उप महाप्रबन्धक की टीम के प्रस्तुतिकरण की सी.एम.डी. सहित सभी अधिकारियों द्वारा सराहना की गई । उनके द्वारा निगम की दशा और दिशा सम्बन्धी दिए गए सुझावों पर गहन चिंतन करने के बाद तैयार हुई रूपरेखा में बंद पड़ी यूनिटों का समापन एवं निष्क्रिय जनशक्ति का कार्यशील यूनिटों आदि में उपयोग, निर्माण–स्थल पर पड़ी मशीनों व सामग्री के निपटान के साथ–साथ निर्णय और निर्माण प्रक्रिया में गति लाने सहित परियोजना प्राधिकरणों के साथ ठेके की शर्तों के अनुसार बकाया पड़े बिलों का यथाशीघ्र समाधान तथा क्षेत्रीय कार्यालयों की पुनर्संरचना, क्षेत्रीय स्टोरों का बेहतर उपयोग करने जैसे विषयों को शामिल किया गया । उपर्युक्त सुझावों को अमली जामा पहनाने के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है जिसके संयोजक श्री एस.सी. गर्ग होंगे ताकि इस पेचीदा कार्य को सुचारु रूप से सम्पन्न किया जा सके । समिति की अगली बैठक शीघ्र ही आयोजित होनी है । माना जा रहा है, यदि इन सुझावों पर सफलतापूर्वक कार्रवाई हुई तो निगम की बेकार बैठी जनशक्ति पर होने वाले खर्च से बचा जा सकेगा जिसका उपयोग निगम के आधारभूत ढाँचे को मजबूत बनाने में किया जा सकता है । साथ ही, बंद पड़ी यूनिटों के रख रखाव पर होने वाले भारी भरकम खर्च से भी निगम को निजात मिलेगी ।

ज्ञान का शत्रु अज्ञान नहीं, अपितु ज्ञानवान होने का भ्रम है ।

खेलकूद समिति का गठन

मनुष्य की मनोस्थिति तथा कार्यस्थल के वातावरण का उसकी कार्य निष्पादन क्षमता पर गहरा प्रभाव पड़ता है । यही वजह है कि कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अन्य बातों के अलावा कार्यालयों में भोजनावकाश अथवा कामकाज के निर्धारित समय से पहले या बाद में मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता रहा है । कामकाज के बीच यदि कार्मिकों को स्वस्थ मनोरंजन का अवसर दिया जाए तो निश्चय ही उनमें फिर से काम करने हेतु स्फूर्ति का संचार हो जाता है । इसे ध्यान में रखते हुए एनपीसीसी के केन्द्रीय कार्यालय फरीदाबाद में हाल ही में खेलकूद तथा मनोरंजन समिति का गठन किया गया है । यह समिति कार्मिकों के लिए वालीबाल, टेबल टेनिस, कैरम तथा शतरंज जैसे प्रमुख खेलों की समुचित व्यवस्था करेगी । साथ ही, विभिन्न अवसरों पर यह समिति खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करेगी ।

कहना न होगा वर्षों पहले भी कारपोरेट स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होता था जिसमें अधिकारी / कर्मचारी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे । आशा है कि खेलकूद गतिविधियों का असर कार्मिकों की कार्यक्षमता पर अवश्य दिखाई देगा ।

NPCC BIDS FAREWELL

NPCC Bids farewell to Shri B. Abraham, Assistant Store Officer who has been relieved from the services of the Corporation on 31.5.2006 on superannuation after serving the Corporation for 27 years.

क्षेत्रीय कार्यालयों का पुनर्गठन– उत्तरी जोन के अब छः जोन होंगे

एन.पी.सी.सी. की पुनर्संरचना तथा इसे विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंगरूप में फरीदाबाद स्थित उत्तरी जोन को छः अलग–अलग क्षेत्रीय कार्यालयों में विभाजित कर दिया गया है । इसका उद्देश्य मुख्यतः प्रबन्धन को और अधिक प्रभावी बनाना है । व्यापार विकास, बेहतर प्रबोधन और समन्वय को भी इससे गति मिलेगी । इनमें कुछ कार्यालय उन स्थानों पर खोले गए हैं जहाँ इससे पूर्व निगम का कोई कार्यालय नहीं था। इससे न केवल बंद पड़ी यूनिटों में बेकार बैठी जनशक्ति का उपयोग होगा अपितु सम्बन्धित राज्य सरकार से निरन्तर सम्पर्क में रहकर नये निर्माण कार्य प्राप्त करने में भी सहायता मिलेगी । साथ ही, सम्बन्धित राज्य सरकारों पर निगम की बकाया राशि की वसूली भी बेहतर ढंग से हो सकेगी ।

नए बने जोनल कार्यालयों के इंचार्जों के नाम, पते व टेलीफोन निम्नवत हैं :

1	श्री सोमनाथ पांडेय	अपर महाप्रबन्धक	यू. पी. जोनल आफिस, लखनऊ बी–1/171, सैक्टर–G, अलीगंज, लखनऊ – 20, उत्तर प्रदेश	मोबाइल नं. 09425178478 0522–2328359
2	श्री समी अहमद	अपर महाप्रबन्धक	उत्तरांचल जोन, देहरादून	01360-250298
3	श्री प्रवीण कुमार भार्गव	अपर महाप्रबन्धक	मध्य प्रदेश जोन, भोपाल	01360-250298
4	श्री तिलकराज धीमन	उप महाप्रबन्धक	जम्मू कश्मीर एवं हिमाचल जोन रियासी जिला उधमपुर, रामलीला ग्राऊंड के समीप, जम्मू–कश्मीर	01991-245200
5	श्री विपिन बिहारी शर्मा	अधीक्षण अभियन्ता	एन.सी.आर.जोन, बी–4, सैक्टर–44 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश)	0120-2433155
6	श्री जयपाल सिंह तोमर	उप महाप्रबन्धक	राजस्थान जोन –41, शुभम् अपार्टमैंट झालावाड़ (राजस्थान)	मोबाइल नं. 09414520508

क्रम संख्या 2 व 3 पर दर्शाए जोनों के पते एवं टेलीफोन नम्बर आगामी अंक में ।

आत्म – विश्लेषण करना सफलता की पहली सीढ़ी है ।

Work completed at Khuga Dam

The construction work of Spillway, Intake and Earthen Dam of Khuga Dam Project was awarded to NPCC by Irrigation & Flood Control Department (Govt. of Manipur) for a total contract value of Rs.2352.00 lakhs. The work remained suspended from time to time due to non-availability of funds with Govt. of Manipur, construction material and insurgency problems. As per Memorandum of Agreement between NPCC Ltd. and Govt. of Manipur signed in June, 2005 the revised date of completion was agreed up to 31.5.2006 with the penalty and bonus clause i.e penalty if the work is delayed beyond May, 2006 and with bonus clause, if the work is completed before 31st May, 2006. In spite of all odds the work of Spillway and Intake has been completed on 16.03.2006 and Earthen Dam on 13.04.2006 successfully, having total revised value of Rs. 4000.00 lakhs including escalation. NPCC is being considered for payment of bonus by the Govt. of Manipur for completion of the Project ahead of revised completion date i.e. 31.05.2006.

Needless to mention that NPCC has been proudly associated with the execution of various projects of national importance in North East States specially in terrorist infested and deep remote areas.

ACTIVITY IN BUSINESS DEVELOPMENT

NPCC has bagged works valuing Rs.18774.88 lakhs during the year 2006-07 starting from April till June, 2006. Major works secured are as under:-

- Construction of buildings and other facilities at HAL Bangalore (4 Contracts) valuing Rs 6856.63 lakhs.
- Construction of Indo-Bangla Border Fencing under pahase III at Assam & Meghalaya valuing Rs.7680.00 lakhs.
- Construction of building works for Assam Rifles in NE Region valuing Rs. 1713.83 lakhs.
- Construction of 172 Residential Building for BSF at Silchar,Assam valuing Rs. 1119.99 lakhs.
- Enhancement of construction of Transit Hostel at Vasant Kunj New Delhi for Rs.893.00 lakhs.
- Repair of Roads at Durgapur Steel Plant Township in Durgapur West Bengal valuing Rs.300.20 lakhs.

Present order book position of NPCC is Rs 2529.73 crores. NPCC has achieved a turnover of Rs 149.00 crores during first quarter ending June, 2006.

CMD Visits Konkan Railway Works Unit, Reasi (J&K)

Our CMD Shri Arbind Kumar visited the site of Tunnel T-5 (Bakkal Road, Portal PI) & Tunnel T-3 Portal P2 of Konkan Railway Works, Reasi (J&K) on 13th July, 2006 alongwith NPCC Officials and Agency's representatives in the evening. He attended the meeting with Executive Director and other officials of Konkan Railway Corporation Ltd. He discussed the problems being faced by NPCC/Agency in executing the work of tunnel T-5 & tunnel T-3. He also met with officers, Staff and Workmen of the Corporation and gave a patient hearing to their problems.

NOIDA FLYOVER-
Construction work in full swing

Having successfully completed a large number of Roads & Bridges, Flyovers in different parts of the country, NPCC is having expertise in the execution of such projects. Construction of Flyover Bridge at km. 6.5 Noida – Greater Noida Expressway is in full swing. This work was awarded to the Corporation by New Okhla Industrial Development authority in May 2003 on 'Turnkey Basis'. The total value of the work was Rs.8362.00 lakhs. The bridge is having 25 spans and the length of bridge is 680 m with 4 clover leaves of approximate length 800 m each. The flyover bridge is on pile foundation of 1 mt. Dia having prestressed girders of maximum Span of 17.60 mtr. The high performance concrete of grade M-35 and M-45 is being used for this work. The bridge is of 6 lanes having overall carriage width of 24.2 mtr.

The work was suspended temporarily by the client in the end of September 2003 but within a short span of 4 months NPCC had completed 58.13% of the total work which is undoubtedly an example of good performance. The execution of the project resumed in April 2006 with revised date of completion being October 2007. Till date the work valuing approximately Rs.5800.00 lakhs has been completed.

NPCC in News

NPCC targets five-fold jump in profits

एनपीसीसी को आईएसओ 9001:2000 प्रमाण पत्र

NPCC aims at 5-fold rise in profit

PSU PICKS

आलस्य एक प्रकार की हिंसा है । (गॉधी जी)

Printed and published by Vijay Kumar Sharma, Senior Hindi Officer and Mrs. Rekha Ghuman, Deupty Manager (P&A)(Ex -Officio Editors) for and on behalf of N.P.C.C. Ltd., Corporate Office, Plot No. 67-68, Sector-25, Faridabad (Haryana) for internal circulation and printed by Beyond in Design, 124 A/2, (Third Floor) , Katwaria Sarai, New Delhi.